S.D.E.

F.Y.B.A. (2008 COURSE) : WINTER - 2017

विषय: हिंदी (जी-१)

वार : Saturday
दिनांक : 11/11/2017

W-2017-3893

वेळ: 11.00 AM TO 02.00 PM
एकूण गुण: ८०.

सूचना:

१) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
२) दाहिने दिए हुए अंक प्रश्नों का गुण दर्शाते हैं।
३) दोन्हों विभाग अलग-अलग उत्तरपत्रिका में लिखिए।

विभाग-१

प्र.१ निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए। (१६)

अ) भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा की चर्चा किजिए।
ब) भारतीय काव्यशास्त्र के प्रबंधकाव्य का परिचय दीजिए।
क) भारतीय काव्यशास्त्र के रस सिध्दांत को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
ड) भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न संप्रदाय का विवेचन किजिए।

प्र.२ टिप्पणी लिखिए। (कोई **चार**) (१६)

अ) रस के अंग
ब) शब्द शक्ति
क) अलंकारों के भेद
ड) छंदो की उपयोगिता
इ) चौपाई
फ) खंडकाव्य

विभाग-२

प्र.३ निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **दो** के उत्तर लिखिए। (१६)

अ) काव्यशास्त्र के किन्हीं **दो** संप्रदाय का विवेचन किजिए।
(१) अलंकार (२) ध्वनि (३) वक्रोक्ति (४) औचित्य
ब) किन्हीं दो अलंकार का परिचय दीजिए।
(१) अनुप्रस (२) श्लेष (३) यमक (४) रूपक
क) किन्हीं दो का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
(१) हरिगीतिका (२) सोरठा (३) दोहा (४) इंद्रवजा
ड) किन्हीं दो काव्य प्रकारों की चर्चा कीजिए।
(१) खंडकाव्य (२) मुक्तक काव्य (३) गीतिकाव्य (४) प्रगीत

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **दो** के उत्तर लिखिए। (१६)

अ) भारतीय काव्यशास्त्र के स्थापना का परिचय दीजिए।
ब) रस के भेद का विवेचन कीजिए।
क) भारतीय काव्यशास्त्र में छंदों की भूमिका लिखिए।
ड) चरितकाव्य के स्वरुप पर प्रकाश डालिए।

प्र.५ टिप्पणी लिखिए। (कोई **चार**) (१६)

अ) रीति संप्रदाय
ब) अभिधा
क) छंद के स्वरुप
ड) उपमा
इ) अन्योक्ति
फ) काव्यरुप

* * *